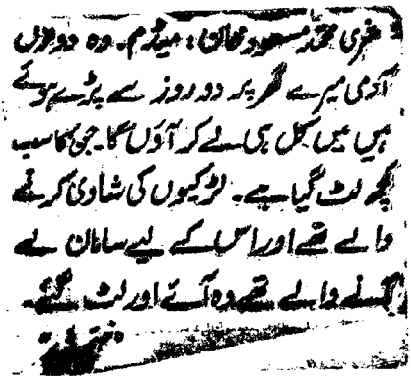

Implementation of Report of Jain-Agarwal Commission on 1984 riots

श्री बलबीर सिंह (पंजाब) : शुक्रिया, मैडम। मुझे बड़ा खेद और दुख है कि, सत्तारूढ़ पार्टी का सांसद होते हुए मुझे अपनी ही सरकार को गहरी नींद से जगाना पड़ रहा है। मैडम, आपको याद होगा, पिछले इसी मानसून सेशन में, एक साल हो गया, पायलट साहब ने जो अभी बाहर तशरीफ ले गए हैं, इसी हाउस में बड़े जोश से और बड़े जज्बाती होकर ऊंची आवाज में कहा था कि 84 रायट्स के जो गिल्टी मुजरिम हैं, चाहे वह कितना ही बड़ा हो, उसको सजा दिलवाऊंगा और जैन—अग्रवाल कमीशन की रिपोर्ट संसद की मेज पर रखूंगा। मैडम, एक साल बीत गया है, कुछ भी नहीं हुआ और जब सिर से पानी गुजर गया तो मुझे यह मामला आज फिर उठाना पड़ रहा है।

मैडम, दिल्ली की सरकार ने मुजरिमों के खिलाफ, जोकि उस कमीशन के द्वारा इंडिक्ट हुए हैं, प्रोसीक्यूशन इनीशिएट किया है और यह जनरल इम्प्रेशन पंजाब के लोगों में और सारे हिंदुस्तान के लोगों में है और यह सच भी है कि केन्द्र सरकार जिसके नीचे दिल्ली की पुलिस आती है, वह मुजरिमों के खिलाफ कार्यवाही नहीं होने देती क्योंकि वह मुजरिम अथॉरिटी में बैठे हुए हैं। मैं हाउस को याद दिलाना चाहता हूं कि पंजाब में अब अमन और शांति सरदार बेअंत सिंह की कोशिशों के बावजूद हुई है तो सारे देश ने उनकी प्रशंसा की है और उनको बधाई दी है। इंटरनेशनल लेवल पर भी लोगों ने उनका शुक्रिया अदा किया है, लेकिन उसके सिले में पंजाब को क्या मिला ? पंजाब में जो अमन आया है, उसको स्टेब्लिाइज करने के लिए, बहुत खेद की बात है कि सेंटर ने कुछ नहीं किया। मैडम, यह पहली बार है कि मेरी पार्टी दोनों हाउसेस में इतनी बड़ी मेजोरिटी में आई है और 20 सीटों में से हम 19 हैं लेकिन हम किस मुंह से लोगों के पास जाएंगे कि पंजाब की जो समस्याएं हैं पंजाब की जो मांगें हैं, उनकी तरफ सेंटर ध्यान नहीं दे रहा है।

मैडम, मैं होम मिनिस्टर साहब से अपील करूंगा, इन्होंने बार-बार आश्वासन भी दिलवाया है, वह पंजाब की समस्याओं पर ध्यान दें, लेकिन जब हमारे चीफ मिनिस्टर बात करते हैं कि चंडीगढ़ पंजाब को मिलना चाहिए तो भजन लाल जी एक मिनिट नहीं लगाते और वह बड़े जोर से कहते हैं कि मैं चंडीगढ़ पंजाब को नहीं देने दूंगा। मैं पंजाब को पानी नहीं लेने दूंगा। मैडम, अगर हमें अपनी ही सरकार से ऐसा इंडिफरेंट और कैलस एटीट्यूड मिलेगा तो यह बहुत ही खेद की बात है, बहुत ही अफसोस की बात है। फिर हम कैसे पंजाब के लोगों को अपना मुंह दिखाएंगे ? अगर पायलट साहब अपने को इतना हैल्पलेस महसूस कर रहे हैं, इतने मजबूर हैं तो मैं समझता हूं कि उन्हें गद्दी से चिपके रहने का कोई हक नहीं है।

मैडम, मुझे इकबाल का वह शेर याद आ रहा है कि—

"इकबाल जरा बच के निकलना,
ये अहले सियासत न तेरे न मेरे।"

मैडम, मैं होम मिनिस्टर साहब से विनती करूंगा, अपील करूंगा कि पंजाब का ध्यान रखिए। पंजाब जिसने देश की अखंडता और एकता को बरकरार रखा है और देश के विकास में इतना बड़ा योगदान दिया है, उनके लिए मैं उम्मीद करूंगा कि आप उन्हें न्याय जरूर दिलवाएंगे।

श्री एस० एस० अहलुवालिया (पंजाब) उपसभापति महोदया, मेरे मित्र बलबीर सिंह जी ने जो मुद्दा उठाया है, मैं उनके साथ पूरी तरह सहमत हूं और कहना

[श्री एस० एस० अहलुवालिया]

चाहूंगा कि आदमी के दिल में रोष तभी जागता है जबकि उसे न्याय नहीं मिलता और इसके हम चश्मदीद गवाह हैं। महोदया, जब-जब न्याय करने में देरी हुई है तब-तब यह रोष कैंसर की तरह उभरा है और उसने एक जुनूनी रूप ले लिया है, लेकिन हम नहीं चाहते कि यह मुद्दा जुनूनी रूप ले। हम कोई भी नहीं चाहते कि यह मुद्दा जुनूनी रूप ले, हम कोई भी नहीं चाहते कि यह किसी और तरफ लोगों को मोड़ने की कोशिश करे। आज जब हमारे नौजवान, शक्तिशाली पंजाबी लोग, जब खड़े होते हैं तो उनको विभ्रान्त करने के लिए पाकिस्तानी, आई० एस० आई०, एजेंसियां यह समझाने के लिए मजबूर करती हैं कि तुम भारत के साथ खड़े हो, तुम्हारे साथ कहां न्याय होता है? उनके दिल को बार-बार कचोटती है। यह तो हमारी भल-मनसाहत है, हमारी संस्कृति और सभ्यता है या हमारे पूर्व पुरुषों के दिए हुए वरदान में उनके उपदेश हैं जो कि हम उनके शिकंजों में नहीं पड़ते, पर हर तरफ से हमारे भारतवर्ष के पंजबियों को भड़काने की कोशिश की जाती है और इस कोशिश करने का एक मुख्य मुद्दा, मुख्य कारण न्याय नहीं मिलना है।

महोदया मैं समझता हूं कि न्याय भारत के संविधान के तहत सबके लिए बराबर है और न्याय करते वक्त कभी किसी की जाति, किसी का धर्म, किसी की जबान, किसी का मजहब नहीं पूछा जाता। अगर ऐसा होता तो, महोदया, जिस वक्त देश में सवा मन जनेऊ जल रहा था, लाखों और करोड़ों हिन्दुओं के जंजू उतारे जा रहे थे, तिलक पोंछे जा रहे थे, बोटियां काटी जा रही थी, उस वक्त गुरु तेग बहादुर के पास कश्मीर के उच्च कुलीन पंडित गए थे कि साहब आप इसका कुछ उपाय कीजिए तो उन्होंने जाति और मजहब नहीं पूछा और उन्होंने कहा कि उनके गणतांत्रिक और मौलिक अधिकारों की रक्षा करना हमारा फर्ज है और उन्होंने कुर्बानी दी। उसी दिल्ली में हम बैठे हैं, रोज हम देखते हैं वह टोम्ब, सीस गंज का गुरुद्वारा, जो हमें बार-बार याद दिलाता है कि किसी के भी मौलिक अधिकारों की रक्षा करने की प्रेरणा हमें गुरु तेग बहादुर से मिलती है और उसी गुरु तेग बहादुर (व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Ramachandran, I am calling you after him.

Mr. Ahluwalia, you were only associating yourself with this. Permission is being granted to Mr. Ramachandran.

SHRI S. S. AHLUWALIA: I am concluding.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please conclude.

श्री एस. एस. अहलूवालिया : मैं खत्म कर रहा हूं। तो मैं यह कहना चाहता हूं कि गुरु तेग बहादुर जी उस नगरी में, जहां उन्होंने शहादत दी उनको सारे विश्व ने हिन्द की चादर कहा, वहां बैठकर हम न्याय करने की पूरी कोशिश करें और 10 साल हो गए, अभी तक जो न्याय नहीं मिला है, वह न्याय मिलना चाहिए, हम उसके हकदार हैं। मैं चाहूंगा कि गृह मंत्री जी इसका समर्थन करें।

SHRI BALBIR SINGH: I would request the Home Minister to react to this.

गृह मंत्री (श्री एस. बी. चव्हाण): मैडम, दो सवालात् हैं जो यहां पर उठाए गए हैं, उनके बारे में यहां पर सारी तफसील में कहना मेरे लिए मुश्किल हैं, लेकिन पहले सवाल के अंदर मैं आपसे कहना चाहता हूं मैं यकीन के साथ आपको यह बता सकता हूं कि सैंट्रल गवर्नमेंट के अंदर जिन लोगों ने 1984 के राइट्स के अंदर हिस्सा लिया होगा, उनकी तरफदारी करने का कोई सवाल ही पैदा नहीं होता है। बिल्कुल साफ ढंग से मैं आपको कहना चाहता हूं। कुछ केसिस थे, जो सैंट्रल गवर्नमेंट में पड़े थे, अब एक केस भी हमारे पास पेंडिंग नहीं है। सारे के सारे केसिस हमने एल०जी० के पास भेज दिए हैं

और उनसे यह कहा है कि इसके अंदर जो भी कानूनी कारवाई हो सकती है, आपको पूरी छूट है कि आप उसको आगे बढ़ाइए।

जहां तक दूसरे सवाल का ताल्लुक है, मैं आपकी राय से बिल्कुल इत्तेफाक रखता हूं, मेरी और आपकी राय में कोई फर्क नहीं है। यह बात सच है कि हमने पंजाब का इलेक्शन लड़ते वक्त जो जो बात लोगों के सामने कही हैं, उनको पूरा करने की जिम्मेदारी हमारी है और इसमें मैं अकेला कुछ भी नहीं कर सकता हूं। इसलिए मैंने एक मर्तबा पंजाब में बयान दिया था, दूसरी मर्तबा जाते वक्त मैंने फिर उस बयान के ऊपर कहा कि जो बयान मैंने पहले दिया था, मेरी गलती थी, मुझे नहीं देना चाहिए था। शायद आपको याद होगा कि यह दोनों बयान मैंने ही दिए थे क्योंकि इस मामले को मैं अकेला ही हल नहीं कर सकता हूं। तो यह मेरी जिम्मेदारी रहेगी कि मैं दोनों मुख्य मंत्रियों के साथ बात करूं, उसके बाद फिर प्राइम मिनिस्टर के साथ बात करके, इसमें से जल्दी से जल्दी कोई रास्ता निकालना बहुत जरूरी है नहीं तो वहां के लोगों ने पंजाब के जितने हमारे लोगों को चुनकर भेजा है, हम वापिस लोगों के सामने क्या चीज लेकर जाएंगे, यह सवाल जो आपने पूछा है, यह बात मेरे भी दिल में है जो मैं आपको जरूर कहना चाहता हूं कि मेरा भी सिम्पेथी आपके साथ है, लेकिन आज मैं इस हालात में नहीं हूं कि यकीन के तौर पर कोई चीज आपके सामने कहूं।

SHRI S. S. AHLUWALIA: Will you lay the report on the Table?

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now, no more.

Mr. Ramachandran, please, because he was given the permission.

I allow association. It does not mean that people who get permission should not get a chance.

Plea for developing the security base, harnessing natural resources for economic prosperity and to speed up execution of some on-going developmental works in Tamil Nadu.

SHRI S. K. T. RAMACHANDRAN (Tamil Nadu): Madam, the security of the country is to be given the top-most priority.

Madam, I request the attention of the Leader of the House, the Home Minister. I am talking of the security of the country.

THE HOME MINISTER (SHRI S. B. CHAVAN): My colleague is here.

SHRI S. K. T. RAMACHANDRAN: The security of the country is to be given the top most priority. In view of the incessant attempts to infiltrate into our country by some Sri Lankan terrorist groups and the continued smuggling activities along the vulnerable east-coast of India, I would like that more and more forces may be deployed on the east coast of Tamil Nadu. Again, there are some political movements in Tamil Nadu, which are in collusion with the terrorist groups. These political groups should be watched. Madam, to facilitate the Coast Guards, I would like to emphasise the need for an express east costtal highway linking Kanyakumari and Calcutta. This would provide a much essentially required support base infrastructure to the Cost Guards. Also as a corollary, the economic activities of the coastal districts will be accelerated.

The Madras-Kanyakumari railway route connecting Villupuram, Trichy, Dindigul and Madurai is the nerve line of the railway traffic in Tamil Nadu. After repeated please made incessantly for a long time by all the Members of Parliament from Tamil Nadu, the project of conversion of the existing metre guage line into broad guage has been taken up for implementation, but the progress is not encouraging. It is proceeding at snail's pace. The fund allocated for this project in the current year Budget is very meagre. I would request the Government to increase the Budget